।। श्रीः ।।

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला
३७०

स्पन्दकारिका

भट्टकल्लट-क्षेमराज-उत्पलाचार्य-रामकण्ठाचार्य-प्रणीता 'स्पन्दकारिकावृत्ति-'स्पन्दनिर्णय'-'स्पन्दप्रदीपिका'-'स्पन्दकारिकाविवृति'-निष्कर्षरूपा 'सरोजिनी' हिन्दीव्याख्यासहिता

व्याख्याकार
डॉ० श्यामाकान्त द्विवेदी 'आनन्द'
एम.ए., एम.एड., व्याकरणाचार्य,
पीएच्.डी., डी.लिट्.

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
वाराणसी

विषयानुक्रमणिका

भूमिका खण्ड
परिचय एवं पृष्ठभूमि

ग्रन्थ खण्ड

स्पन्दकारिका

तृतीय निष्यन्द—विभूतिस्पन्द निष्यन्द

—*—